DEPARTMENT OF HINDI

B. A. HINDI

Programme Outcomes :

1. आलोचनात्मक साहित्य पढ़कर समीक्षा करने की शक्ति प्रदान होती है।
2. साहित्य में समाज का चित्र होता है ,इससे समाज को पर रखा जा सकता है।
3. अच्छे रचना की परख होकर उस पर चिंतन मनन किया जा सकता है।
4. वैचारिक क्षमता बढ़ जाती है।
5. प्रभावशाली संवाद पढ़ना लिखना और सुनना अपने व्यक्तित्व को स्पष्ट रूप से प्रभावशाली बनाते हैं।
6. भारतीय साहित्य के माध्यम से लोगों में काल्पनिक किताबी और तकनीक संचार में वृद्धि कर सकते हैं ।
7. रचना को पढ़कर समाज की समस्या का निवारण कर सकते हैं ।
8. साहित्य को पढ़कर समाज का ह्रदय परिवर्तन कर सकते हैं ।
9. साहित्य को पढ़कर जाति पाति एवं भेदभाव जैसी कुरीतियों को समाप्त कर सकते हैं ।
10. कहानी कविता तथा उपन्यास को पढ़कर प्राकृतिक सौंदर्य का विश्लेषण कर सकते हैं।
11. आधुनिकता की होड़ में व्याप्त कुरीतियां जैसे तलाक समस्या ,एकल परिवार, बेरोजगार आदि बढ़ती प्रवृत्तियों का निवारण करना।
12. प्रेम की प्रेम की उदात्तता एवं आदर्श प्रेम की प्रेरणा प्राप्त होती है ।
13. जीवन की निराशा और क्षणभंगुरता आदि की भावनाएं नष्ट होती है ।
14. ईश्वर की आराधना बाहरी आडंबरो एवं उपकरणों से नहीं बल्कि शुद्ध अंतःकरण से होती है यह सीख मिलती है ।
15. छात्र एवं युवाओं में देश प्रेम की भावना निर्माण होती है।
16. समय का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान होता है इस महत्ता का बोध कराती है।
17. विद्यार्थी साहित्य का मूल्यांकन कर समाधान का एहसास कर सकते हैं और साहित्य और भाषा की समीक्षा कर सकते हैं।
18. विद्यार्थी हिंदी साहित्य की अच्छी कविता कहानी और उपन्यास को परखने की कोशिश कर सकता है ।

Course Outcomes

F.Y.B.A. HINDI

Course: CC1C-1A General Hindi [G-1) vaiklpik hindi Prashanpatra 1A

यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पढ़ने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित बातो पर अमल कर सकते हैं

1. कहानियों को पढ़कर सच्चाई से जीने और जीवन मूल्यों के प्रति श्रद्धा एवं विश्वास सर्वधर्म समभाव एवं भारतीयता की भावना से प्रेरित होते हैं ।
2. ढोंग आडंबर पाखंड का विरोध करने की और तलाक जैसी समस्याओं पर चिंतन मनन करके इनका

विरोध करने की दृष्टि निर्माण करते हैं ।

3. कहानियों को पढ़कर महानगरीय जीवन की त्रासदी और व्यस्तता भरी जिंदगी तथा अकेलेपन की पीड़ा एवं स्वार्थी मनोवृत्ति व्यवसायिक प्रवृत्ति कला के प्रति उपेक्षा की दृष्टि का ज्ञान करते हैं।
4. दहेज की समस्या नारी जीवन की सबसे विकट समस्या बनी है इस पर सामाजिक प्रबोधन की भौतिक चीजों से अधिक मूल्यवान मानवी जीवन है का प्रचार करते हैं।
5. कविताओं को पढ़कर आदर्श जीवन दर्शन और विवेक दूरदर्शिता शिक्षा ज्ञान विज्ञान सामाजिक सांस्कृतिक समन्वय की प्रेरणा पाते हैं ।
6. इन कविताओं को पढ़ने से उनमें शुद्ध प्रेम की भावना आत्मीयता की भावना विसंगतियों के प्रति क्रांति करने की प्रेरणा मिलती है।
7. समाज में व्याप्त धर्म संप्रदाय में भेदभाव जाति पात ऊंचनीच पूजा पाठ में ढोंग अंडबर के विरुद्ध - आवाज बुलंद करने की क्षमता निर्मित होती है ।
8. श्रमिक के श्रम का ज्ञान समाज और देश के लिए त्याग एवं बलिदान करने की भावना में होने वाले परिवर्तनों से समय के महत्व का ज्ञान जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की सीख मिलती है।

S.Y.B.A. HINDI
Course: CC-1C Aadhunik Hindi Kahani Tatha Vyavharik Hindi General Hindi

1. छात्रों में निस्वार्थ प्रेम त्याग बलिदान की भावना होने से उनके समाज और देश का भला होगा ।
2. छात्रछात्राओं में मान्यता का गुण विकसित होगा ।आज के समाज एवं देश को उसकी आवश्यकता - है।
3. छात्रों में सामान्य जनों के प्रति प्रेम ,दया, परोपकार की भावना उच्च जाति के प्रति आक्रोश की भावना निर्मित होगी ।
4. जीवन में धन का महत्व एवं धन ना होने से हानि का ज्ञान होगा ।
5. स्वतंत्र जीवन जीने की प्रेरणा निर्माण होगी।
6. कविताओं से छात्रों में प्राकृतिक सौंदर्य देखने की सूक्ष्म दृष्टि आएगी ।
7. पेड़ की उपयोगिता मनुष्य जीवन की उपयोगिता करने की भावना निर्मित होगी ।
8. छात्रों को साहसी एवं निर्भिड होकर जीवन जीने की प्रेरणा दी जाती है ।
9. गांव में बच्चों की जिंदगी महत्वपूर्ण होती है वे धरती के धन ,देश के भविष्य और देश की शान है इस दृष्टि से उन्हें देखने की स्थिति पर विचार करने की सीख मिलती है।
10. विज्ञापन की कला से आत्मनिर्भर होने की प्रेरणा मिलती है।

Course DSE-1A Spl- HINDI [S-I] Kavysastra

यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पढ़ने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित बातों पर अमल कर सकते हैं ।

1. काव्यशास्त्र के पाठ्यक्रम से छात्रों को काव्य की प्रचलित हिंदी ,अंग्रेजी, संस्कृत की परिभाषाओं का ज्ञान होगा।
2. काव्य के प्रयोजन तथा हेतुओं के बारे में जानकारी रख सकेंगे ।

3. उन्हें काव्य के तत्वों का ज्ञान होगा उनमें कल्पनाशीलता एवं भाषा शैली की शुद्धता की क्षमता पैदा होगी ।
4. काव्य के तत्वों के आधार पर कविता की समीक्षा कर पाएंगे ।
5. रस एवं छंद के अध्ययन से छात्रों में विषय वस्तु एवं प्रसंग के अनुसार रस एवं छंद लेखन कला विकसित होंगी। वह आत्मनिर्भर बन सकेंग

6. छात्रों में कहानी ,उपन्यास, नाटक, निबंध आदि के अध्ययन से उनमें निहित विषयों का ज्ञान होगा साथ ही लेखन तथा अभिनय करने की कला की तथा समीक्षा एवं लेखन करने की शक्ति पैदा होगी।
7. छात्रों में गद्य पद्य की विभिन्न विधाओं की आलोचना करने की क्षमता विकसित होंगी ।
8. रस की परिभाषा और रसके प्रकारों का ज्ञान होगा।

Course:DSE -2A SPL-Hindi [S-2] Madhyayugin kavya,Upnyash Sahitya

1. कबीर के साहित्य के बारे में परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी मीराबाई के काव्य से अवगत होंगे।
3. छात्रों को उपन्यास की अवधारणा का ज्ञान होने के बाद उपन्यास लिखने की प्रेरणा प्राप्त हो सकती है।
4. उपन्यास कृतिका मूल्यांकन करने की कला विकसित हो सकती है ।
5. साहित्य कृतियों में प्रस्तुत जीवन मूल्य को अवगत कराना ।
6. उपन्यास के स्वरूप एवं तत्वों का अध्ययन कर समीक्षा करने की शक्ति प्राप्त होगी।
7. लेखिका ममता कालिया के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में जान पाएंगे ।
8. रहीम ,बिहारी के काव्य को लेकर छात्र परिचित होंगे ।
9. हिंदी नाटक और रंगमंच का अध्ययन कर कथावस्तु लिखना प्रारंभ कर सकते हैं।
10. महाभोज नाटक का अध्ययन कर तत्कालीन परिस्थिति से छात्र अवगत हो सकते हैं ।
11. नाटक के माध्यम से छात्र रंगमंच अध्ययन, कक्षागत अध्ययन तथा तात्विक मूल्यांकन से परिचित होंगे।

SEC-2A Anuwad Swarup Evam Vyavhar

1. अनुवाद का स्वरूप समझकर अनुवाद कौशल से छात्र परिचित होंगे ।
2. हिंदी से मराठी में प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य करना सीख जाएंगे ।
3. अंग्रेजी से हिंदी मराठी में अनुवाद कौशल का विकास होगा ।
4. अनुवाद क्षेत्र का व्यापक परिचय प्राप्त होगा ।
5. अनुवाद प्रक्रिया के सोपान उसकी सहायक सामग्री तथा अनुवादक के गुणों को आत्मसात कर उस प्रकार बनने की कोशिश करेंगे ।
6. छात्र माध्यम लेखन से परिचित होंगे ।
7. छात्रों में गुणात्मक लेखन कौशल विकसित होगा ।

8. श्रव्य माध्यम की भाषा के माध्यम से वह स्वयं लेखन प्रारंभ करेंगे ।
9. मुद्रित माध्यम ,श्रव्य माध्यम, दृश्य श्रव्य माध्यम-,नव माध्यम से छात्र कंटेंट लेखन ब्लॉग लेखन किस प्रकार का होता है यह छात्र सीखेंगे।
10. फीचर की अवधारणा को समझने के बाद स्वयं फीचर की कथावस्तु लिखना प्रारंभ कर सकते हैं ।
11. समाचार ,आलेख जैसी विधाओं को लेकर नई जानकारी प्राप्त करेंगे ।
12. रेडियो फीचर, टेलीविजन फीचर, समाचार फीचर ,फोटो फीचर के बारे में सविस्तार जानकारी प्राप्त करेंगे।

SYBA Hindi Bhasha Shikshan (MIL)

1. विद्यार्थी हिंदी वर्णमाला के बारे में परिचित होंगे
2. छात्र हिंदी भाषा की लिपि से अवगत होंगे ।
3. नागरी लिपि में ध्वनियों का वर्गीकरण किस प्रकार किया है ,उससे छात्र परिचित होंगे।
4. विद्यार्थी संधि ,स्वर संधि, व्यंजन संधि ,विसर्ग संधि से परिचित होंगे।
5. भाषा कौशल शिक्षण के अंतर्गत छात्र ज्योति जैन तथा डॉ.लता अग्रवाल की कहानियों का अध्ययन कर पाएंगे।
6. हिंदी भाषा शिक्षण के माध्यम से छात्र भाषा के सभी कौशल को प्राप्त कर पाएंगे।

T.Y.B.A. HINDI
Course:3097 General Hindi [G-3] Atamkathansh,Kavyanatak tatha Lekhan

1. हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकारों की आत्मकथा से छात्रों को जीवन में संघर्ष करने की प्रेरणा पैदा होगी।
2. उनमें यथार्थ जीवन, आदर्श विचार, संकल्प शक्ति क्या होती है ?इसकी सीख मिलेगी।
3. देश प्रेम की भावना पैदा होगी ,साथ ही अपनी जाति तथा समाज के ऊपर उठकर चिंतन मनन वह कर पाएंगे।
4. छात्रों में कहानीकार, उपन्यासकार ,नाटककार बनने की भावना निर्माण होगी ।
5. विद्यार्थियों में स्त्रीजाति की पीड़ा शोषण ,अन्याय के प्रतिशोध की भावना पैदा होगी।
6. छात्रों में नारी जाति के प्रति प्रेम सद्भावना पैदा होगी ,साथ ही ममत्व की भावना निर्माण होगी ।
7. छात्रों में समाज के उच्च वर्ग के लोगों की दलितों के प्रति भावना मे सुधार होगा। मनुष्य जाति से श्रेष्ठ नहीं बल्कि कर्म से श्रेष्ठ होता है यह विचार दृढ होगा ।
8. एक कंठ विषपायी काव्य नाटक जैसी नई विधा के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
9. नाटक के माध्यम से प्राचीन रूढी परंपरा और वर्तमान नैतिक, सामाजिक , धार्मिक मूल्यों से छात्र परिचित होंगे।
10. व्याकरण के पाठ्यक्रम से छात्रों में विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाले शब्दों के अर्थों का ज्ञान ,पत्र लिखने का ज्ञान प्राप्त होगा ।
11. छात्रों को अनुवाद लेखन का स्वरूप उसकी कला तथा अंग्रेजी से हिंदी या हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद किस प्रकार किया जाता है, उससे परिचित होंगे ।

T.Y.B.A.HINDI

Course: 3098 SPL- HINDI[S-3] Hindi Sahitya ka Itihash

1. हिंदी साहित्य के इतिहास के पाठ्यक्रम से छात्रों को इतिहास लेखन परंपरा का विभिन्न काल खंडों के नामकरण एवं समय सीमा का तथा युगीन परिस्थितियों का ज्ञान होगा ।
2. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल की प्रवृत्तियां से छात्र परिचित होंगे ।
3. हिंदी के भक्ति काल के माध्यम से छात्रों में विभिन्न प्रकार की भक्ति शाखाओं का जैसे आदर्श विचार ,नैतिक मूल्यों के प्रति प्रेम आदि में सुधार होगा ।
4. रीतिकाल के माध्यम से छात्रों में नीति दर्शन की विविध क्षेत्रों का तथा विषय का ज्ञान होगा ।
5. आधुनिक काल की विभिन्न रचनाओं एवं रचनाकारों से छात्रों में साहित्य लेखन की क्षमता पैदा होगी।
6. वह अपने युग के अनुकूल एवं प्रसंग के अनुकूल लेखन कर सकेंगे।

Course: 3099 SPL-HINDI [S-4] Kavyashastra

यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पढ़ने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित बातों पर अमल कर सकते हैं ।

1. काव्यशास्त्र के पाठ्यक्रम से छात्रों को काव्य की प्रचलित हिंदी ,अंग्रेजी, संस्कृत की परिभाषाओं का ज्ञान होगा।
2. काव्य के प्रयोजन तथा हेतुओं के बारे में जानकारी रख सकेंगे ।
3. उन्हें काव्य के तत्वों का ज्ञान होगा उनमें कल्पनाशीलता एवं भाषा शैली की शुद्धता की क्षमता पैदा होगी ।
4. काव्य के तत्वों के आधार पर कविता की समीक्षा कर पाएंगे ।
5. रस एवं छंद के अध्ययन से छात्रों में विषय वस्तु एवं प्रसंग के अनुसार रस एवं छंद लेखन कला विकसित होंगी। वह आत्मनिर्भर बन सकेंगे।
6. छात्रों में कहानी ,उपन्यास, नाटक, निबंध आदि के अध्ययन से उनमें निहित विषयों का ज्ञान होगा साथ ही लेखन तथा अभिनय करने की कला की तथा समीक्षा एवं लेखन करने की शक्ति पैदा होगी।
7. छात्रों में गद्य पद्य की विभिन्न विधाओं की आलोचना करने की क्षमता विकसित होंगी ।
8. रस की परिभाषा और रसके प्रकारों का ज्ञान होगा।